चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	19.3.23	5	2-6

प्रशिक्षण में मशरूम की अन्य किस्मों की दी जाएगी जानकारी

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण 20 से शुरू

हिसार (सच कहूँ/सरदाना)।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाईसेंसिंग, मशरूम में मशीनीकरण, विभिन्न मशरूम का स्पान या बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याओं और उनके निवारण के बारे में भी प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों तथा बेरोजगार युवक व युवतियों को मशरूम उत्पादन को कृषि विविधिकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन किया जा सकें ताकि वे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकें। डॉ. अशोक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भी भ्रमण करवाया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी 20 मार्च को संस्थान में सुबह 9 बजे आकर पंजीरकण करवा सकता है। प्रशिक्षण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में किसी भी प्रदेश का प्रतिभागी भाग ले सकता है, जोकि निशुल्क होगी।

हिसार का एचएयू प्रवेश भवन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	19.3.23	5	8

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण 20 से

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	19.3.23	5	7-8

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कल से

हिसार, 18 मार्च (विरेन्द्र शर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाईसेंसिंग, मशरूम में मशीनीकरण, विभिन्न मशरूम का स्पान या बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याओं और उनके निवारण के बारे में भी प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों तथा बेरोजगार युवक व युवतियों को मशरूम उत्पादन को कृषि विविधिकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन किया जा सकें ताकि वे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकें। डॉ. अशोक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भी भ्रमण करवाया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी 20 मार्च को संस्थान में सुबह 9 बजे आकर पंजीरकण करवा सकता है। प्रशिक्षण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में किसी भी प्रदेश का प्रतिभागी भाग ले सकता है, जोकि निशुल्क होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	19.3.23	5	7-8

मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण 20 से शुरू

हिसार, 18 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	19.3.23	9	1

एचएयू में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कल से

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित विभिन्न किस्मों की जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	18.03.2023	-------	--------

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण 20 से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाईसेंसिंग, मशरूम में मशीनीकरण, विभिन्न मशरूम का स्पान या बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याओं और उनके निवारण के बारे में भी प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों तथा बेरोजगार युवक व युवतियों को मशरूम उत्पादन को कृषि विविधिकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन किया जा सकें ताकि वे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकें। डॉ. अशोक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भी भ्रमण करवाया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी 20 मार्च को संस्थान में सुबह 9 बजे आकर पंजीरकण करवा सकता है। प्रशिक्षण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में किसी भी प्रदेश का प्रतिभागी भाग ले सकता है, जोकि निशुल्क होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	19.03.2023	-------	--------

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण 20 मार्च से शुरू

प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की दी जाएगी जानकारी

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 19 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाईसेंसिंग, मशरूम में मशीनीकरण, विभिन्न मशरूम का स्पान या बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याओं और उनके निवारण के बारे में भी प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों तथा बेरोजगार युवक व युवतियों को मशरूम उत्पादन को कृषि

विविधिकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन किया जा सकें ताकि वे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकें। डॉ. अशोक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भी भ्रमण करवाया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी 20 मार्च को संस्थान में सुबह 9 बजे आकर पंजीरकण करवा सकता है। प्रशिक्षण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में किसी भी प्रदेश का प्रतिभागी भाग ले सकता है, जोकि निशुल्क होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	18.03.2023	-------	--------

मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण 20 से शुरू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाईसेंसिंग, मशरूम में मशीनीकरण, विभिन्न मशरूम का स्पान या बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याओं और उनके निवारण के बारे में भी प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी 20 मार्च को संस्थान में सुबह 9 बजे आकर पंजीरकण करवा सकता है। प्रशिक्षण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में किसी भी प्रदेश का प्रतिभागी भाग ले सकता है, जोकि निशुल्क होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	18.03.2023	-------	--------

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण 20 से शुरू

नभ छोर न्यूज ›› 18 मार्च

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 20 से 22 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम सहित मशरूम की अन्य किस्मों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। साथ ही मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाईसेंसिंग, मशरूम में मशीनीकरण, विभिन्न मशरूम का स्पान या बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याओं और उनके निवारण के बारे में भी प्रशिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों तथा बेरोजगार युवक व युवतियों को मशरूम उत्पादन को कृषि विविधिकरण के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन किया जा सके ताकि वे स्व-रोजगार के रूप में अपनाकर स्वावलंबी बन सकें। डॉ. अशोक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला का भी भ्रमण करवाया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी 20 मार्च को संस्थान में सुबह 9 बजे आकर पंजीकरण करवा सकता है। प्रशिक्षण पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में किसी भी प्रदेश का प्रतिभागी भाग ले सकता है, जोकि निशुल्क होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16·3·23	6	1-5

एहतियात • एचएयू के वैज्ञानिकों की सलाह, इस माह गेहूं और जौ की देखभाल जरूरी

अधिक पैदावार को इसी माह गन्ने की किस्म सीओजे 64, सीओ 1148, सीओएच 110 पछेती व भिंडी की पूसा सावनी लगाएं

गन्ने की कटाई समाप्त कर नई फसल की बिजाई इसी महीने पूरी कर लें किसान

महबूब अली | हिसार

मार्च माह फसलों के हिसाब से किसानों के लिए खास अहमियत रखता है। इस माह जहां गन्ने की उन्नत किस्म सीओजे 64, सीओ 1148, सीओएच 110 पछेती और भिंडी की पूसा सावनी, हिसार नवीन की बुवाई कर किसान अधिक आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं, गेहूं और जौ की फसल की देखभाल भी जरूरी होती है।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज का कहना है कि जरा सी देखभाल और उन्नत किस्मों का चयन कर जहां बीमारियों से फसलों को बचा सकते हैं, वहीं आमदनी भी बढ़ा सकते हैं। किसान गन्ने की कटाई समाप्त कर नई फसल की बिजाई इसी महीने पूरी कर लें।

जानिए, किस फसल की कौन सी किस्म देगी अधिक लाभ

■ **गन्ना:** उन्नत किस्में सीओजे 64, सीओएच 56, सीओएच 92 अगेती, सीओ 7717, सीओएस 8436, सीओएच 99, सीओएच 119 दर्मियानी, सीओएच 128, सीओ 1148, सीओएच 110 पछेती आदि किस्मों को ही बोएं। मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई करें।

■ **भिंडी:** की बिजाई इस माह भी की जा सकती है। पूसा सावनी, हिसार नवीन, हिसार उन्नत, एचबीएच 142, वर्ष उपहार आदि किस्मों का बीज प्रयोग में लें। एक एकड़ के लिए 16-18 किलोग्राम बीज की आवश्यता होगी। खाद देने के बाद सिंचाई करना भी आवश्यक है।

■ **मूली:** गर्मी में मूली की बिजाई कर सकते हैं। केवल पूसा चेतकी किस्म का ही प्रयोग करें। उचित होगा कि दोमट मिट्टी में छोटी-छोटी डोलियों पर ही इसकी बिजाई करें। डोलियों में 30 से 45 सेमी की दूरी रखें।

■ **गेहूं और जौ :** इस समय फसलें दूधिया होती हैं। सिंचाई अवश्य करें। बालियों के समय पौधे नहीं हिलाने चाहिए। जौ-गेहूं मेंचेपा या माहू बीमारी होती है। 400 मिली मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिला छिड़काव करें।

कड़वी मिर्च की फसल में फल-फूल झड़ें तो प्लानोफिक्स रसायन का करें छिड़काव

राकेश कुमार | गढ़ी बीरबल

हरी कड़वी मिर्च व्यवसायिक फसल होने के चलते हरियाणा में पूरे साल इसकी खेती बड़े स्तर पर की जाती है। इसका इस्तेमाल मसाले, अचार व सलाद के रूप में किया जाता है। बाजार में इसकी काफी मांग है। किसान अच्छी आमदनी अर्जित कर सकते हैं। मार्च में बढ़ते तापमान को देखते हुए मिर्च के पौधों में फूल-फल गिरने की समस्या जिसको फ्लावर एंड फ्रूट ड्रॉप भी कहते हैं फसल में आ जाती है। इससे पौधों में फल लगने की क्षमता कम हो जाती है, जिससे उत्पादन कम हो जाता है जिससे किसान को काफी आर्थिक नुकसान होता है।

ऐसे करें रोकथाम

महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय करनाल के प्रो. डॉक्टर सुरेश अरोड़ा बताया कि पौध पादप नियामक रसायन के 2 से 3 छिड़काव करने से फ्लावर और फ्रूट ड्रॉप की समस्या की रोकथाम की जा सकती है।

छिड़काव करने की विधि

प्लानोफिक्स नामक रसायन का 1 एमएल दवा को साढे 4 लीटर पानी में मिला उसमें चिपकाने वाली दवा डाल कर 15 से 20 मार्च के बीच में पहला छिड़काव करें। 21 दिन बाद इसी दवा का दूसरा छिड़काव 1 से 7 अप्रैल के बीच व तीसरा छिड़काव 20 से 25 दिन के अंतराल पर करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16.3.23	6	5-8

एचएयू के वीसी की पहल पर विवि के अलावा 18 कृषि विज्ञान केंद्रों पर लगाई क्योस्क

मौसम व फसलों से लेकर सब्जियों की खेती के बारे में एक क्लिक पर जानकारी दे रही प्रदेशभर में लगाई 21 क्योस्क

भास्कर न्यूज | हिसार

किसानों को जिलेवाइज मौसम पूर्वानुमान से लेकर खेतीबाड़ी के गुर देने में एचएयू प्रदेशभर में लगाई गई 21 क्योस्क अहम भूमिका निभा रही हैं। विवि प्रशासन जल्द ही अन्य क्योस्क लगाने की तैयारी में है। एचएयू के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदनलाल खीचड़ किसानों को मौसम पूर्वानुमान से लेकर खेतीबाड़ी के बारे में एसएमएस से लेकर ई मौसम एप के माध्यम से जानकारी देते हैं। कुछ समय पूर्व ही किसानों की मांग पर ई मौसम क्योस्क को विभिन्न स्थानों पर लगवाया गया था। जिसमें तीन क्योस्क एचएयू परिसर के विभिन्न स्थानों, 18 क्योस्क पानीपत, सोनीपत, कुरुक्षेत्र, बावल, जींद, यमुनानगर, फरीदाबाद, पंचकूला, कैथल, सोनीपत, सिरसा, रोहतक, महेंद्रगढ़, करनाल, भिवानी, अंबाला, झज्जर आदि कृषि विज्ञान केंद्रों पर लगवाए गए थे। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, क्योस्क की खासियत यह है कि हिंदी में एक क्लिक पर किसानों को खेतीबाड़ी से लेकर सभी प्रकार की सब्जियों की बुवाई कब करें, बीमारियों से बचाव को क्या करें।

एसएमएस से 6 लाख को दी जा रही जानकारी

एचएयू द्वारा किसानों के लिए लगाई गई क्योस्क।

अध्यक्ष डॉ. मदनलाल खीचड़ ने बताया कि क्योस्क का भी किसान खूब प्रयोग कर रहे हैं। इसके अलावा मौसम पूर्वानुमान के लिए एसएमएस सेवा से अब तक 6 लाख किसान जुड़ चुके हैं, जबकि ई मौसम एप से 80 हजार किसान जुड़कर फसलों से लेकर मौसम की जानकारी हासिल कर रहे हैं। वहीं, फसलों पर आने वाले रोग एवं कीटों का सचित्र विवरण एवं रोकथाम के बारे में बताया गया है। कृषि मौसम विज्ञान विभाग का उद्देश्य किसानों को मौसम की जानकारी देकर फसलों को प्रतिकूल मौसमी घटकों से बचाकर अधिक उत्पादन प्राप्त कर अधिक आय अर्जित कराना है।